केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 95 मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ट्रैक्टर–ट्रॉली से कुचलकर युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती में बालू लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली ने युवक को कुचल दिया। काम पर जाने के लिए घर से निकला था। सिविल लाइन स्थित विवाह मंडप के सामने पहुंचे थे, तभी पीछे से आई ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई।

कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन में सोमवार सुबह करीब 11 बजे हादसा हुआ। नगर थाना क्षेत्र के जूजाजाता निवासी गोगई के बेटे श्याम पाल रोज की तरह पेंटिंग का काम करने कंपनी बाग की तरफ जा रहे थे। विवाह मंडप के सामने पीछे से आई बालू लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने से श्याम पाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। श्याम पाल पांच भाइयों और तीन बहनों में तीसरे नंबर पर थे। वह पेंटिंग का काम करके परिवार की आजीविका में सहयोग करते थे। उनकी मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। तीन बहनों में दो की शादी अभी नहीं हुई है, जबकि पांच भाइयों में तीन की शादी होना बाकी है। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रैक्टर–ट्रॉली को भी कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

ड्यिूटी से घर लौटे होमगार्ड जवान की हार्ट अटैक से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बड़ेबन पुलिस चौकी पर तैनात होमगार्ड जवान सुभाष चंद्र पांडेय (48) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। ड्यूटी से घर लौटने के बाद हालत बिगड़ी परिजन बस्ती प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। जवान की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया।सुभाष चंद्र पांडेय पुत्र रामचंद्र परिवार के भरण–पोषण की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उनके परिवार पर पहले भी दुखों का पहाड़ टूट चुका है। उनके एक बेटे की मौत पहले ही सांप के काटने से हो गई थी, जबकि दूसरा बेटा बाहर रहकर कमाता है।परिवार में बेटी की शादी 7 नवंबर महीने में तय है। ऐसे में शादी से पहले पिता की मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। जिस पिता को अपनी बेटी के हाथ पीले करने और उसे विदा करने की खुशी का इंतजार था, उसी के अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। होमगार्ड जवान की मौत से क्षेत्र में शोक की लंहर है। परिवार के सामने अब बेटी की शादी और भविष्य की जिम्मेदारियों को पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है।

हादसे में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कप्तानगंज ब्लॉक के पोखरा बाजार निवासी मोहन उर्फ लाले (20) की रविवार शाम सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। गांधारिया गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही पिकअप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मोहन की मौके पर ही जान चली गई।

पुलिस के मुताबिक, मोहन अपने ननिहाल से बाइक से घर लौट रहे थे। गांधारिया गांव के पास उनकी बाइक की सामने से आ रही पिकअप से टक्कर हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

एनएचएम के संविदाकर्मियों को मिलेगा 16 दिन का विशेष अवकाश

लखनऊ (आभा)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदाकर्मियों के लिए राहतभरी खबर है। योगी सरकार ने एनएचएम में विशेष अवकाश संबंधी नियमों में बदलाव करते हुए नए नियम लागू कर दिए गए हैं। इन संविदा कर्मचारियों को 16 दिन की स्पेशल लीव मिल सकेगी। एनएचएम की स्टेट यूनिट से जारी आदेश के मुताबिक संविदा कर्मचारी स्वयं, अपने बेटे–बेटी या भाई–बहन की शादी के अलावा परिवार में मृत्यु, गंभीर बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने जैसी स्थितियों में विशेष अवकाश ले सकेंगे। हालांकि इसकी अधिकतम सीमा 16 दिन तय की गई है। कर्मचारियों को विशेष अवकाश के लिए जरूरी दस्तावेज भी दाखिल करने होंगे। फिर लीव बैलेंस के हिसाब से ये अवकाश दिया जाएगा।

मिशन की राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई ने मानव संसाधन नीति में मेडिकल लीव से जुड़े प्रावधानों में संशोधन कर दिया है। नए प्रावधानों के अनुसार कर्मचारी को अपने करीबी रिश्तेदारों की शादी से लेकर बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने जैसे हालात के लिए विशेष अवकाश मिल सकेगा। इसके लिए कर्मचारी को कारण बताने के साथ ही जरूरी समय सीमा बताते हुए आवेदन करना होगा। विशेष अवकाश मिलने के बाद जरूरत के हिसाब से चिकित्सा प्रमाणपत्र, अस्पताल के रिकॉर्ड, मृत्यु प्रमाणपत्र, शादी का प्रमाण या अन्य संबंधित दस्तावेज विभाग में जमा करने होंगे।

देवी प्रतिमाओं का विसर्जन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सोमवार को किया गया। इसको लेकर नगर पालिका प्रशासन ने मूर्ति विसर्जन को लेकर व्यवस्था को बेहतर करने में जुटी रही ।अमहट घाट स्थित विसर्जन स्थल पर साफ–सफाई के साथ प्रथ–प्रकाश, बैरिकेटिंग, बालू से समतल, नाव सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को किया गया था। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए घाट तक जाने वाले रास्ते पर

भी व्यवस्था की गई थी। घाट पर सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग किया गया था। श्रद्धालु भक्त नाचते गाते अमहट घाट पहुंचे और देवी प्रतिमाओं का विर्सन किया। उम्मीद है कि देर रात तक विर्सजन का क्रम जारी रहेगा।

वेब मीडिया एसोसिएशन जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। वेब मीडिया एसोसियेशन ऑफ इण्डिया (रजि.) की बैठक आवास विकास स्थित एक स्कूल मे हुई। वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्रनाथ तिवारी ने जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को उनके कर्तव्य एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। संयोजक अशोक श्रीवास्तव की अध्यक्षता मे हुई बैठक मे पत्रकारिता को लेकर लम्बा विमर्श हुआ। सभी ने जनसरोकारों की पत्रकारिता को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राजकुमार गौतम को जिलाध्यक्ष, तौफीक खान एवं अब्दुल कलाम को उपाध्यक्ष, नीरज राज को महामंत्री, दीपक सोनी को संगठन मंत्री, विकास अग्रहरि को मीडिया प्रभारी, विजय कुमार मिश्रा को सम्प्रेक्षक तथा वसीम अकरम को कोषाध्यक्ष की शपथ दिलाई गई। राजेन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि पत्रकारों को रोज पेशागत चुनौतियों और जोखिम का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन पत्रकार को एक सामान्य नागरिक जैसी ही सुविधायें मिली हैं। पत्रकार सुरक्षा और पारिवारिक समस्याओं की चिता से मुक्त हो जाये तो वह पेशागत आदर्शों को कायम रखते हुये जनसराकारों की पत्रकारिता को आगे बढ़ाने मे सक्षम होंगे।

वेब मीडिया एसोसियेशन (डब्लूएमए) के संस्थापक सदस्य राजकुमार पाण्डेय एवं राजन चौधरी ने भी बैठक को सम्बोधित किया। कहा कि एकजुटता से ही पत्रकारों का सम्मान बंचेगा। शीघ्र ही डब्लूएमए का गठन सिद्धार्थनगर एवं संतकबीरनगर मे भी किया जायेगा। बैठक मे प्रमुख रूप से संतोष श्रीवास्तव, दिनेश कुमार पाण्डेय, ज्ञानप्रकाश दूबे, रत्नेश श्रीवास्तव, राज श्रीवास्तव, दिनेश सोनकर, अभय कुमार, फहीम अहमद, रत्नेन्द्र पाण्डेय, अरशद मसूद, जफरूल हसन, नृपेन्द्र सिंह, रामबृज प्रजापति, प्रमोद श्रीवास्तव सहित तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

भाजपा ने घोषित किए प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य

लखनऊ (आभा)। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश कार्यसमिति–2026 के सदस्यों की सूची जारी कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी सूची में 548 कार्यसमिति सदस्य और 30 स्थायी आमंत्रित सदस्य शामिल हैं। यह घोषणा 30 और 31 अक्टूबर को लखनऊ में होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पहले की गई है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इसमें मिशन–2027 के तहत संगठनात्मक तैयारियों और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा होने की उम्मीद है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिले भाजपा नेता नितेश शर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के नेता नितेश शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से शिष्टाचार भेंट किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के समग्र विकास के साथ–साथ क्षेत्र में बेहतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर विस्तार से चर्चा की।

भेंट के दौरान भाजपा नेता नितेश शर्मा ने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं की वस्तुस्थिति से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती, आपातकालीन सेवाओं और आधुनिक जांच सुविधाओं के विस्तार की मांग रखी। इसके साथ ही भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में सड़क, स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और बुनियादी नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी चर्चा हुई।

उप–मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक जी ने सभी विषयों को संज्ञान में लेते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जन–जन तक सुलभ और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने भानपुर क्षेत्र में चिकित्सीय व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा विकास कार्यों को गति देने के लिए हर संभव सहयोग का सकारात्मक आश्वासन दिया।

इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मीकांत पाण्डेय 'पप्पू', सत्येंद्र शुक्ल, जितेंद्र चौधरी, सचिन भट्ट और अखिलेश पाण्डेय 'बंटू' मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बस्ती में 2282 मतदान स्थल प्रस्तावित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदेय स्थलों के संभाजन एवं पुनर्निर्धारण को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञान चन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची पर प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों की समीक्षा करते हुए उनके निस्तारण पर चर्चा की गई। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची पर प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों

के संबंध में विचार–विमर्श किया गया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, कांग्रेस पार्टी के पीसीसी सदस्य बाबूराम सिंह ने विधानसभा क्षेत्र 307–हर्रैया के एक मतदेय स्थल के संबंध में आपत्ति प्रस्तुत की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

बैठक में बताया गया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों का निर्धारण 1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर किया जा रहा है। इसके तहत मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निर्धारण तथा आवश्यकतानुसार नए मतदेय स्थल स्थापित करने की प्रक्रिया अपनाई गई है।

जिले के पांच विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में वर्तमान में 2312 मतदेय स्थल हैं। संभाजन के बाद इनकी संख्या 2282 प्रस्तावित की गई है। विधानसभा क्षेत्रवार प्रस्ताव के अनुसार, हर्रैया में 457, कप्तानगंज में 434, रुधौली में 508, बस्ती सदर में 421 तथा महादेवा (अनुसूचित जाति) में 462 मतदेय स्थल प्रस्तावित हैं। बैठक में उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार,उमाकांत तिवारी, एडीईओ सुभाष सिंह,ओमप्रकाश, राजनैतिक दलो के प्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

अमित शाह मानहानि मामले में राहुल गांधी बरी

सुल्तानपुर (आभा)। गृहमंत्री अमित शाह पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बरी कर दिया गया है। सुल्तानपुर की अदालत में चल रहे केस में सोमवार को उन्हें दोषी नहीं माना। इस दौरान राहुल गांधी अदालत में मौजूद रहे। अदालत ने उन्हें दोषी ही नहीं माना है। 2018 में भाजपा नेता विजय मिश्र की याचिका पर दायर मामला पहले सिविल कोर्ट बाद में एमपी–एमएलए की कोर्ट में आया था। एमपी–एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने फैसले के दिन राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

मई 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। आरोप है कि इस दौरान राहुल गांधी ने भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर टिप्पणी की थी। टिप्पणी को मानहानि कारक बताते हुए भाजपा नेता और सुल्तानपुर के जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ याचिका दायर की थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को आरोपी मानते हुए समन जारी किया। इसके बाद 20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी खुद सुल्तानपुर कोर्ट में उपस्थित हुए। यहां उन्हें 25–25 हजार रुपये के दो मुचलके पर जमानत मिल गई। पेशी के दौरान राहुल गांधी ने आरोपों से इन्कार करते हुए इसे सत्ता पक्ष की साजिश बताया था।

निमंत्रण से लौट रहे पिता और दो बेटियों को ट्रक ने रौंदा, रातभर ट्रक के नीचे दबे रहे शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। बेटियों के साथ बाइक से घर लौट रहे पिता की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे में दोनों बेटियों ने भी दम तोड़ दिया। तीनों के शव रात भर ट्रक के नीचे दबे रहे। सोमवार सुबह जानकारी मिलने पर क्रेन की मदद से ट्रक हटवाकर तीनों के शव बाहर निकाले गए।

हादसे की खबर मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। गौर थाना क्षेत्र के कोठवा गांव निवासी 35 वर्षीय राजेश यादव रविवार रात करीब नौ बजे अपनी दो बेटियों 11 वर्षीया शिवांगी और 5 वर्षीया मानवी के साथ पैकोलिया थाना क्षेत्र के रामापुर गांव से निमंत्रण में शामिल

होकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बभनान से गौर की ओर जा रहे पशु आहार लदे ट्रक की चपेट में आ गए। हादसे के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर विधायक निधि से बने कैप्टन जयपाल सिंह स्मृति द्वार के पोल से टकरा गया और सड़क किनारे गड्ढे में उतर गया।

ट्रक के नीचे झाड़ियां और पानी होने के कारण तीनों उसके नीचे दबे रह गए। रात में किसी की नजर उन पर नहीं पड़ी। उधर, परिजन उनकी तलाश में जुटे रहे। सोमवार सुबह ट्रक के नीचे तीनों के दबे होने की जानकारी मिलने पर पैकोलिया और गौर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन मंगवाकर ट्रक हटवाया और तीनों के शव बाहर निकलवाए। जानकारी के मुताबिक राजेश यादव गौर थाने के जैतापुर राजस्व गांव में चौकीदार के पद पर तैनात थे। उनकी दोनों बेटियां स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सीताराम भानु प्रताप सिंह इंटर कॉलेज, अटरोहाखास में पढ़ती थीं। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक छा गया।

महर्षि वाल्मीकि को जयंती पर भाजपा नेताओं ने किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के निर्देशन में अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रभु दयाल वर्मा के नेतृत्व में जिला कार्यालय पर जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके विचारों एवं आदर्शों पर चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री एवं ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि आज हमारे बीच भले ही शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और आदर्श आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के विचारों को जन–जन तक पहुंचाना और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना हम सभी का दायित्व है। वहीं, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रभु दयाल वर्मा ने कहा कि हम सभी को एकजुट रहकर महर्षि वाल्मीकि के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के विचार समाज को सही दिशा देने की प्रेरणा देते हैं। उनके आदर्शों को अपनाकर सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत किया जा सकता है।

–युगों तक मार्गदर्शन करेंगे रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि के विचार–अभिषेक कुमार

कार्यक्रम के दौरान महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनके साहित्यिक योगदान और उनके विचारों को समाज में आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनय यादव, प्रमोद कुमार कनौजिया, मनोज कुमार, अनिल चौधरी, नवीन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जर्जर मकानों में रहने को मजबूर हैं कर्मचारी: जिम्मेदार मौन

–मांगे न मानी गई तो राज्य कर्मचारी करेंगे निर्णायक आन्दोलन –राम अधार पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने कर्मचारी समस्याओं का निराकरण न होने पर चिन्ता व्यक्त करते हुये कहा है कि पिछले तीन वर्षो में मण्डल मुख्यालय पर न्यूरो सर्जन, हृदय रोग विशेषज्ञ और यूरोलाजिस्ट जैसे चिकित्सकों की तैनाती की मांग तत्कालीन जिलाधिकारियों से किया गया था किन्तु इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कर्मचारी नेता राम अधार पाल ने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा बस्ती शहर में बनाये गये लगभग 70 वर्ष पुराने सरकारी आवास जर्जर हो चुके हैं, कर्मचारी वाध्य होकर उन आवासों में रह रहा है। आवासों के मरम्मत और नये निर्माण की मांग किया गया था किन्तु यहां भी जिम्मेदार मौन साधे हुये हैं। कहा कि शासनादेश के तहत विभागीय अधिकारी मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों से वार्ता नहीं कर रहे हैं, संवादहीनता की

स्थिति बनी हुई है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश है और समस्याओं का प्रभावी निस्तारण नहीं हो पा रहा है। आये दिन कर्मचारियों के विरूद्ध शिकायत आती है और कार्रवाई भी हो जाती है, जबकि शिकायतकर्ता को शासनादेश के अनुरूप शपथ पत्र के साथ शिकायत करनी चाहिये। इन नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है।

कर्मचारी नेता राम अधार पाल ने बताया कि अनेक विभागों में कुछ अधिकारी अवकाश के दिनों में भी कार्यालय खोले रहते हैं, यही नहीं देर रात्रि तक उनसे नियम विरूद्ध ढंग से कार्य लिया जाता है। इससे कर्मचारी हैरान व परेशान हैं। कई विभागों में योग्यताधारी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की लिपिक पदों पर पदोन्नित न होने से उनका हक छीना जा रहा है। उन्होने बताया कि यदि इन प्रमुख विन्दुओं पर 15 दिन के भीतर प्रभावी कदम न उठाया गया तो परिषद के पदाधिकारी जिलाधिकारी से मिलकर पुनः समस्याओं के निस्तारण का आग्रह करेंगे। इसके बाद बैठक कर निर्णायक आन्दोलन की रणनीति बनायी जायेगी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 अक्टूबर 2026, मंगलवार

सम्पादकीय

राजनीति और जनता के मुद्दे

लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता बदलने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता को अपनी अपेक्षाएं और प्राथमिकताएं सामने रखने का अवसर भी होते हैं। चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ जाती है। बैठकों, रैलियों, गठबंधन की चर्चाओं और आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां इसी दिशा में आगे बढ़ती दिखाई दे रही हैं। ऐसे समय में यह देखना जरूरी है कि राजनीति की चर्चा का केंद्र जनता की समस्याएं हैं या राजनीतिक दलों की आपसी प्रतिस्पर्धा।

प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाने की गतिविधियां चल रही हैं। वहीं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत भी राजनीतिक चर्चा का विषय बनी हुई है। लखनऊ में विपक्षी गठबंधन से जुड़े पोस्टरों को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर गठबंधन में भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की प्रस्तावित बैठक को भी आगामी चुनाव की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इन घटनाक्रमों से स्पष्ट है कि प्रदेश में चुनावी रणनीति को लेकर राजनीतिक दल अभी से सक्रिय हैं।

लेकिन चुनाव की तैयारी का वास्तविक मूल्यांकन केवल बैठकों और राजनीतिक बयानों से नहीं किया जा सकता। किसी भी दल की रणनीति कितनी प्रभावी है, इसका फैसला अंततः जनता अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर करती है। मतदाता यह जानना चाहते हैं कि उनके क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा की स्थिति में कितना सुधार हुआ है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कितने बढ़े हैं और किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविधतापूर्ण राज्य में विकास की चुनौतियां भी अलग–अलग हैं। कहीं बुनियादी सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता है, तो कहीं रोजगार और कृषि से जुड़े सवाल अधिक महत्वपूर्ण हैं। पूर्वांचल के जिलों में भी स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास की योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और रोजगार के अवसरों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। राजनीतिक दलों के लिए जरूरी है कि वे इन विषयों पर स्पष्ट योजनाएं जनता के सामने रखें और अपने दावों के समर्थन में ठोस जानकारी दें।

गठबंधन की राजनीति भी चुनावी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभिन्न दल जब साथ आते हैं, तो उन्हें सीटों के बंटवारे के साथ–साथ साझा कार्यक्रम और नीतियों पर भी सहमति बनानी होती है। केवल चुनावी समझौता कर लेना पर्याप्त नहीं है। मतदाताओं को यह जानने का अधिकार है कि गठबंधन की सरकार बनने की स्थिति में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून–व्यवस्था और आर्थिक विकास को लेकर उसकी प्राथमिकताएं क्या होंगी। इसी प्रकार सत्तारूढ़ दल को भी अपने कार्यों, उपलब्धियों और अधूरे वादों के बारे में जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

राजनीतिक आरोपों की अपनी जगह है, लेकिन आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी दल द्वारा लगाए गए आरोप को अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं है। ऐसे मामलों में प्रमाण, आधिकारिक जानकारी और संबंधित पक्षों का जवाब महत्वपूर्ण होता है। चुनाव के दौरान राजनीतिक बयान तेजी से फैलते हैं। ऐसे में मीडिया और नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वे अपुष्ट सूचनाओं को बढ़ावा देने के बजाय तथ्यों के आधार पर चर्चा को आगे बढ़ाएं।

सफलता के बदलते मायने

आज के दौर में इंसान की सफलता का आकलन अक्सर उसकी कमाई, गाड़ी, मकान, कपड़ों और सामाजिक हैसियत से किया जाने लगा है। जिसके पास जितनी महंगी चीजें हैं, उसे उतना ही सफल मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इस सोच ने समाज में ऐसी प्रतिस्पर्धा को जन्म दिया है, जिसमें लोग अपनी जरूरतों से अधिक दूसरों को प्रभावित करने के लिए खर्च करने लगे हैं। सवाल यह है कि क्या वास्तव में यही सफलता है या फिर हम दिखावे की ऐसी दौड़ में शामिल हो गए हैं, जिसकी कोई अंतिम मंजिल नहीं है?

शादी–विवाह और दूसरे सामाजिक आयोजनों में इस प्रवृत्ति को आसानी से देखा जा सकता है। आयोजन को यादगार बनाने के बजाय कई बार दूसरों से अधिक खर्च करने की होड़ लग जाती है। महंगे पंडाल, कीमती सजावट, भव्य दावत और अनावश्यक खर्च सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन जाते हैं। जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति इसकी अनुमति नहीं देती, वे भी समाज में अपनी छवि बनाए रखने के लिए कर्ज लेने तक को मजबूर हो जाते हैं। आयोजन समाप्त होने के बाद उत्सव की यादों के साथ आर्थिक बोझ भी उनके हिस्से में रह जाता है।

यही स्थिति रोजमर्रा के जीवन में भी दिखाई देती है। महंगा मोबाइल, नई गाड़ी, ब्रांडेड कपड़े और आलीशान जीवनशैली को देखकर लोग अपनी परिस्थितियों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। वहां जीवन का चमकदार पक्ष अधिक दिखाई देता है, जबकि संघर्ष, असफलताएं और आर्थिक परेशानियां अक्सर पर्दे के पीछे रह जाती हैं। दूसरों की चुनी हुई खुशियों को देखकर अपने जीवन को कमतर समझना मानसिक असंतोष को जन्म देता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि अच्छी चीजें खरीदना, उत्सव मनाना या अपनी कमाई का आनंद लेना गलत है। समस्या तब शुरू होती है, जब खर्च का फैसला अपनी क्षमता और जरूरत के बजाय सामाजिक दबाव से होने लगता है। अपनी मेहनत की कमाई से बेहतर जीवन जीना हर व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन इसके लिए भविष्य की जरूरतों, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और बचत की अनदेखी करना समझदारी नहीं कही जा सकती।

समाज में प्रतिष्ठा की परिभाषा पर भी विचार करने की जरूरत है। क्या किसी व्यक्ति का सम्मान उसकी गाड़ी की कीमत से तय होना चाहिए या उसके व्यवहार, ईमानदारी और दूसरों के प्रति जिम्मेदारी से? यदि किसी परिवार की सादगी को कमजोरी समझा जाता है और अनावश्यक खर्च करने वाले को अधिक सम्मान मिलता है, तो यह सामाजिक सोच की समस्या है। ऐसी मानसिकता में बदलाव केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करने पर आएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामाजिक आयोजनों का खर्च कई परिवारों के लिए चिंता का कारण बन सकता है। बेटी की शादी या अन्य पारिवारिक समारोहों में लोगों की अपेक्षाएं आर्थिक दबाव बढ़ा देती हैं। जरूरत इस बात की है कि समाज सादगीपूर्ण आयोजनों को भी उतना ही सम्मान दे, जितना भव्य समारोहों को दिया जाता है। किसी परिवार की आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करने की अपेक्षा रखना सामाजिक सहयोग की भावना के विपरीत है।

वास्तविक प्रगति का अर्थ केवल अधिक कमाना और अधिक खर्च करना नहीं है। इसका अर्थ ऐसी जिंदगी बनाना भी है, जिसमें परिवार सुरक्षित हो, जरूरत के समय आर्थिक सहारा उपलब्ध हो और व्यक्ति बिना अनावश्यक दबाव के अपने फैसले ले सके।

आन्दोलन, हिंसा और मानवाधिकारः भारतीय सुरक्षा बलों की कार्रवाई के प्रश्न

–उमेश चतुर्वेदी–

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठाया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी मासूम खून बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठाया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। दुनिया की उदार से उदार समझी जाने वाली शायद ही कोई सरकार होती, जो अपनी संसद में उपद्रवियों को घुसने की राह देती। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? निश्चित तौर पर इन सवालों का जवाब सिर्फ ना है। भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर–मंतर पर डेरा डाल दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलनों को शॉक ऑब्जर्बर के रूप में देखा जाता है। मर्यादित आंदोलनों और धरना–प्रदर्शनों के जरिए लोकतांत्रिक समाज अपने गुस्से का इजहार करता रहा है। समझदार सरकारें भी सीमित और मर्यादित आंदोलनों को लोगों के गुस्से की अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में लेती रही हैं। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेनुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है।

बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी–गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उत्तेजित अंदाज में प्रस्तुत भी किया गया। फिर भी सरकारी तंत्र संयमित रहा। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की ओर बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। लेकिन सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। वोटरगाइड देखें सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कनॉट प्लेस के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूली बात नहीं है। इससे साफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही।

दुर्भाग्य यह है कि चाहे एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमनराइट वाच, या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दी गई गालियों की ओर ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ हुए आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति एवं विशेषज्ञों का चिंता जताना दरअसल मामले का एक तरफा संज्ञान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकोंके खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। ये संगठन विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम यानी एफसीआरए और कड़े आतंकवाद–विरोधी कानूनों, मसलन यूएपीए के दुरुपयोग का भी भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि इन नियमों–कानूनों के जरिए मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, एनजीओ और आलोचकों की आवाज दबाई जा रही है। साथ ही, सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दायरा सिकुड़ रहा है।

मानवाधिकार संगठन चाहे जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली में जिस तरह सुरक्षा बलों ने खुद पर हुए हमलों के बावजूद जवाबी कार्रवाई में संयम दिखाया, उसकी तारीफ होनी चाहिए।

डिग्री नहीं, हुनर से मिलेगा रोजगार

–संजीव ठाकुरे–

शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर सोचने, करने और समाज के लिए उपयोगी बनने की क्षमता पैदा करना है।" महात्मा गांधी की नई तालीम का मूल विचार इसी दिशा में था कि शिक्षा जीवन और श्रम से जुड़ी हो। आज जब भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में है, तब यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि हमारी शिक्षा युवाओं को केवल डिग्री दे रही है या उनके हाथों में ऐसा कौशल भी दे रही है जिससे वे सम्मानजनक रोजगार प्राप्त कर सकें और स्वयं रोजगार पैदा कर सकें।भारत में शिक्षा का विस्तार निस्संदेह हुआ है। गांव–गांव विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय पहुंचे हैं। उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी सामने आई है डिग्री और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी। बड़ी संख्या में युवा स्नातक और स्नातकोत्तर होने के बाद भी रोजगार के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी कतार में खड़े दिखाई देते हैं। शिक्षा पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश स्वयं एक पूर्णकालिक काम बन जाती है।

यह कहना उचित नहीं होगा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था केवल बेरोजगार पैदा करती है, क्योंकि शिक्षा ने देश को वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता, शिक्षक, प्रशासक, उद्यमी और असंख्य विशेषज्ञ भी दिए हैं। समस्या अधिक गहरी है। शिक्षा का बड़ा हिस्सा अभी भी ज्ञान, परीक्षा और प्रमाणपत्र के इर्द–गिर्द घूमता है, जबकि आधुनिक अर्थव्यवस्था को ज्ञान के साथ कौशल, तकनीक, अनुभव और समस्या–समाधान की क्षमता चाहिए। डग्री बनाम दक्षता आज किसी युवक के पास बीए, बीकॉम, बीएससी या एमए की डिग्री हो सकती है, लेकिन यदि उसके पास कंप्यूटर, डिजिटल तकनीक, मशीन संचालन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि–तकनीक, लेखांकन, डिजाइन, डेटा विश्लेषण, स्वास्थ्य सेवा, निर्माण, मरम्मत, संचार अथवा किसी अन्य रोजगारपरक क्षेत्र की व्यावहारिक दक्षता नहीं है तो उसकी डिग्री रोजगार की गारंटी नहीं देती। यही वह बिंदु है जहां शिक्षा व्यवस्था को अपने पुराने ढांचे पर पुनर्विचार करना होगा।

डिग्री शिक्षा का अंत नहीं, रोजगार और जीवन की क्षमता का आरंभ होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसी समस्या को पहचानते हुए व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने, विद्यालय स्तर से कौशल शिक्षा देने और उद्योग के साथ शिक्षा संस्थानों के संबंध मजबूत करने की दिशा निर्धारित की है। नीति में 2025 तक कम–से–कम 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव देने का लक्ष्य रखा गया था। आवश्यकता अब लक्ष्य निर्धारित करने से आगे बढ़कर उसकी प्रभावी जमीन तैयार करने की है। महात्मा गांधी की नई तालीम से सीख महात्मा गांधी शिक्षा को हाथ, दिमाग और हृदय तीनों के विकास से जोड़ते थे। उनकी बुनियादी शिक्षा में उत्पादनकारी कार्य और शिक्षा का संबंध महत्वपूर्ण था। इसका अर्थ यह था कि विद्यार्थी केवल किताब से नहीं, काम करते हुए भी सीखता है।

आज इस विचार को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। कक्षा छह या आठ से ही विद्यार्थियों को स्थानीय अर्थव्यवस्था और भविष्य के रोजगार से परिचित कराया जा सकता है। कोई बच्चा कृषि–तकनीक सीखे, कोई सौर ऊर्जा, कोई इलेक्ट्रॉनिक्स, कोई ड्रोन संचालन, कोई कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, कोई बढ़ईगीरी, कोई खाद्य प्रसंस्करण, कोई स्वास्थ्य–सहायता, कोई डिजिटल डिजाइन और कोई स्थानीय हस्तशिल्प। इससे "काम करने" और "छोटा–बड़ा काम" जैसी सामाजिक धारणाओं को भी बदलना होगा। श्रम की प्रतिष्ठा शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और शिक्षा का व्यापक उद्देश्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं मानते थे। उनके लिए शिक्षा व्यक्ति के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम थी। इसलिए रोजगारपरक शिक्षा का अर्थ केवल मशीन चलाना या कंप्यूटर सीखना नहीं होना चाहिए। युवा को तकनीकी कौशल के साथ चरित्र, अनुशासन, संवेदना, संवाद–कौशल, नागरिक चेतना और नैतिकता भी चाहिए। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो कहेकृ कमाओ भी, सोचो भीय बनाओ भी, समाज को समझो भी।" पेपर लीक रू व्यवस्था के विश्वास पर चोट प्रतियोगी परीक्षाओं का संकट इस समस्या को और गंभीर बनाता है। जब लाखों युवा वर्षों तक एक परीक्षा की तैयारी करते हैं और फिर प्रश्नपत्र लीक, नकल या अन्य अनियमितताओं के कारण परीक्षा प्रभावित होती है, तो नुकसान केवल एक परीक्षा का नहीं होताकृयुवा का समय, पैसा, मानसिक ऊर्जा और व्यवस्था पर विश्वास भी प्रभावित होता है।

अगस्त 2026 में बिहार में भर्ती परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं को लेकर छात्रों का विरोध फिर सामने आया। इसी वर्ष संसद में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने से संबंधित संशोधन विधेयक भी पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाना है।इसलिए परीक्षा सुधार केवल कड़ी सजा का विषय नहीं है। परीक्षा–प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, विकेंद्रीकृत प्रश्नपत्र निर्माण, एन्क्रिप्टेड डिजिटल वितरण, सुरक्षित प्रिंटिंग, सीसीटीवी, डिजिटल ऑडिट और जवाबदेही की पूरी श्रृंखला आवश्यक है।लेकिन उससे भी बड़ी जरूरत यह है कि सरकारी नौकरी को ही सफलता का एकमात्र पर्याय न बनाया जाए। जर्मनी से सीख रू पढ़ाई के साथ काम जर्मनी की वोकेशनल एजुकेशन एंड प्लैनिंग प्रणाली भारत के लिए उपयोगी उदाहरण हो सकती है। वहां विद्यार्थी व्यावसायिक विद्यालय में सैद्धांतिक शिक्षा प्राप्त करने के साथ कंपनियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण लेते है जर्मनी में ऊपरी माध्यमिक स्तर के लगभग एक–तिहाई विद्यार्थी व्यावसायिक कार्यक्रमों में होते हैं और अधिकांश अप्रेंटिसशिप आधारित व्यवस्था में प्रवेश करते हैं।

डिजिटल बाजार का नया उत्पाद 'ताई–चाई' चाल

डा. संजय वर्मा

डिजिटल होती जा रही अर्थव्यवस्था में किसी साधारण सलाह की मुश्किल यह है कि उसे बेचना मुश्किल है। 'रोजाना कुछ देर पैदल चलिए' के आह्वान में कोई सब्सक्रिप्शन नहीं है। ऐप नहीं हैं। इन्फ्लुएंसर नहीं हैं। पेड प्रोग्राम और प्रमोशन नहीं हैं। और एक दिन में खुद को बदल डालने की सलाह देने वाले चौलेंज नहीं हैं। लेकिन इसी क्रिया को कोई आकर्षक नाम मिल जाए तो उसके प्रति दीवानगी पैदा की जा सकती है।

मनुष्य हजारों वर्षों से पैदल चलता आया है। तीर्थयात्री चले, किसान चले, बौद्ध भिक्षु चले, गांधी और आंदोलनकारी चले। सुबह–सबेरे हमारे माता–पिता, चाचा–ताऊ, सबने पैदल चलकर अनंत दूरियां नापी हैं। हर सभ्यता ने पैदल चलने में शरीर के साथ मन को भी गति दी है। लेकिन इधर सोशल मीडिया यानी डिजिटल संसार में एक नई चाल सरपट दौड़ रही है। इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब पर अचानक 'ताई–चाई वॉकिंग' का ट्रेंड जंगल में आग की तरह फैल गया है।

डिजिटल स्क्रीनों पर कहीं धीमे कदम बढ़ाते बुजुर्ग दिखते हैं, तो कहीं आकर्षक देहयष्टि वाले ट्रेनर। कुछेक जगहों पर इसके विज्ञापनों में इन्फ्लुएंसर इस चाल को वजन घटाने, पेट की चर्बी कम करने और बढ़ती उम्र को मात देने वाला करिश्माई तरीका बताकर बेच रहे हैं। हमारे देश में भी खासकर प्रौढ़ और साठ पार की उम्र वाले लोगों के बीच इस चाल को लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है। हाल में, सेहत के अंतरराष्ट्रीय जर्नल हार्वर्ड हेल्थ ने 'ताई–चाई वॉकिंगरू व्हाट इज इट एंड डज इट वर्क' शीर्षक से इस पर विस्तृत लेख छापकर और सनसनी फैला दी है। सवाल दिलचस्प है कि क्या दुनिया ने पैदल चलने का हकीकत में कोई नया तरीका खोज निकाला है या फिर सदियों पुरानी आदत पर सोशल मीडिया–प्रेरित बाजार ने एक नया लेबल चिपका दिया है।

यूं ताई–चाई वॉकिंग का अपना एक इतिहास और प्रतिष्ठा है। यह चीन की सदियों पुरानी मार्शल आर्ट और माइंड–बॉडी की परंपरा में आने वाली एक शारीरिक गतिविधि है। इसमें शरीर की धीमी, नियंत्रित गति, संतुलन, श्वास और सजगता का महत्त्व है। हार्वर्ड हेल्थ के मुताबिक, ताई–चाई वॉकिंग मूलतः पैदल चाल (फुट वॉक) को उसके सरलतम रूप में अपनाती है। सामान्य पैदल चाल में शरीर का मोमेंटम (गति) हमें आगे बढ़ाता है, जबकि ताई–चाई वॉकिंग में कदम जानबूझकर धीमे किए जाते हैं। पहले पैर आगे बढ़ाया जाता है, फिर शरीर का भार आहिस्ता से उस पैर पर स्थानांतरित किया जाता है। इसके बाद दूसरा पैर आगे बढ़ाते हुए यही प्रक्रिया दोहराई जाती है। इससे व्यक्ति अपने गुरुत्वीय केंद्र (सेंटर ऑफ ग्रैविटी), जमीन से पैरों के स्पर्श और शरीर के संतुलन के प्रति अधिक सजग होता है। अर्थात् यह केवल 'धीरे चलना' नहीं है, बल्कि इसके बायोमैकेनिक्स वास्तव में सामान्य पैदल चाल से कुछ अलग हैं।अध्ययनों में ताई–चाई वॉकिंग के दौरान सामान्य चाल की तुलना में घुटने और कूल्हे की गति, मांसपेशियों के संचालन और वजन के स्थानांतरण के अलग–अलग स्तर पाए गए हैं। पाया गया कि ताई–चाई वॉकिंग के दौरान व्यक्ति धीमी गति से पैदल चलता है और शरीर के भार को अधिक नियंत्रित तरीके से स्थानांतरित करता है। इसलिए इसे विशुद्ध 'मार्केटिंग फ्रॉड' कहना उतना ही गलत होगा, जितना इसे चमत्कारी व्यायाम मान लेना।

ताई–चाई वॉकिंग के फायदों को लेकर साल 2024 में 18 क्लिनिकल ट्रायल्स का विवरण मिलता है, जिनमें 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के शारीरिक संतुलन और सेहत में कुल मिलाकर सुधार अंकित किया गया था। इसी तरह के एक अन्य मेटा–विश्लेषण में 2,000 लोगों पर किए गए 28 परीक्षणों में पैदल चलने पर बेहतर संतुलन की बात सामने आई थी। लेकिन यहां एक अंतर है, जिसे सोशल मीडिया अक्सर गायब कर देता है। ताई–चाई पर उपलब्ध प्रमाण और सोशल मीडिया पर वायरल 'ताई–चाई वॉकिंग' कार्यक्रमों के प्रमाण एक ही चीज नहीं हैं। इस बारे में हार्वर्ड हेल्थ ने भी चेतावनी दी है कि ताई–चाई वॉकिंग को बहुत तेजी से वजन घटाने या असाधारण मांसपेशियां बनाने के ऑनलाइन दावे भ्रम फैला सकते हैं। असल में, सामान्य पैदल चाल से ताई–चाई की तुलना कुछ दिलचस्प तस्वीरें पेश करती है। एक अध्ययन में 374 प्रौढ़ चीनी लोगों पर किए गए यादृच्छिक (रैंडम) ट्रायल में प्रतिभागियों के दो समूहों ने 12 हफ्ते तक प्रति सप्ताह पांच दिन, प्रतिदिन 45 मिनट अलग–अलग ताई–चाई और पैदल चाल का अभ्यास किया। ताई–चाई समूह का वजन करीब 0.50 किलोग्राम और सामान्य पैदल चाल वाले समूह का वजन 0.76 किलोग्राम कम हुआ। दोनों समूहों के लोगों की कमर के नाप और फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर में सुधार हुआ। नतीजा यह निकला कि साधारण वॉकिंग किसी भी मामले में ताई–चाई वॉकिंग के सामने कमजोर, पुरानी या बेअसर साबित नहीं हुई।

यही नहीं, इस शोध से जुड़े ऊर्जा–खपत के अध्ययन में अपनी क्षमताओं को समझते हुए की गई पैदल चाल की ऊर्जा लागत ताई–चाई के मुकाबले 46 प्रतिशत ज्यादा थी। इसलिए यदि कैलोरी खर्च को या कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम को मानक माना जाए, तो यह मानने का कोई आधार नहीं है कि धीमी गति से की जाने वाली ताई–चाई वॉकिंग, व्यक्ति की क्षमता के हिसाब से ढाली गई तेज चाल से किसी मायने में श्रेष्ठ है। यह विमर्श भारतीय संदर्भों में और भी रोचक हो जाता है। हमारे यहां रात्रि के भोजन के बाद टहलने की परंपरा बहुत पुरानी है। महाराष्ट्र में प्रचलित 'शतपावली' का शाब्दिक अर्थ ही हैकृभोजन के बाद सौ कदम चलना। इसके अतिरिक्त भारतीय जीवन–पद्धति में सुबह की सैर, संध्या भ्रमण और भोजनोपरांत धीमे–धीमे टहलना किसी फिटनेस ऐप का आविष्कार नहीं हैं। आधुनिक विज्ञान भी भोजन के बाद पैदल चलने के मूल विचार का समर्थन करता है। भोजन के बाद पैदल चलने को विज्ञान ने एक शारीरिक गतिविधि के रूप में दर्ज करते हुए पाया है कि इससे पोस्ट–मील ग्लूकोज को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

दरअसल, ताई–चाई एक बॉडी मैकेनिक्स है और इसमें नियंत्रित तरीके से वजन को काबू में रखने की कोशिश की जाती है, जबकि शतपावली मुख्यतः भोजन के बाद हल्की चहलकदमी की सांस्कृतिक परंपरा है। लेकिन दोनों ही हमें एक बड़े सत्य तक पहुंचाते हैं मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए पैदल चलना चाहिए, हर बार नया ब्रांड खरीदना जरूरी नहीं है।

बूथों के सम्भाजन पर 28 तक आपत्तियां, नेपाली बहुएं भी भर सकेंगी फार्म–6

संवाददाता–महराजगंज। मतदेय स्थलों (बूथ) के सम्भाजन (रेशनलाइजेशन) के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार में डीएम गौरव सिंह सोगरवाल की अध यक्षता में बैठक हुई। इसमें राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अलावा सभी एसडीएम व निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पूर्व में प्रकाशित आलेख्य के अनुसार जनपद में कुल 2228 मतदेय स्थलों की जानकारी दी। कहा कि मतदेय स्थलों के पुनर्गठन या संशोधन के संबंध में अगर किसी राजनीतिक दल का सुझाव व आपत्तियां हैं तो उसे 28 अक्तूबर 2026 तक हर हाल में उपलब्ध करा दें। जिसके आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जा सके। इसके साथ ही डीएम ने बीएलओ व बीएलए के साथ ब्लॉक, तहसील व विधानसभावार बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। कहा कि भारत–नेपाल के बीच सामाजिक व पारिवारिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए नेपाल से शादी कर भारत आई महिलाओं के भी नियमानुसार पात्रता के तहत फॉर्म–6 भरवाए जाएंगे। इसके अलावा इंटर व डिग्री कॉलेजों में अध्ययनरत 18 वर्ष पूर्ण कर चुके छात्र–छात्राओं का नाम जोड़ने के लिए डीआईओएस को शिक्षण संस्थानों में विशेष शिविर लगाने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान कांग्रेस प्रतिनिध‍ि विजय सिंह ने दिव्यांगजनों के लिए रैंप और महिलाओं के लिए शौचालय का मुद्दा उठाया। इस पर डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी उपजिलाधिकारियों और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एआरओ) को तुरंत बूथों का भौतिक सत्यापन कर बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त करने के आदेश दिए। बैठक में भाजपा से राजेश यादव, कांग्रेस से विनोद सिंह व राजन शुक्ला, आम आदमी पार्टी से पशुनाथ गुप्ता व दामोदर गोयल, समाजवादी पार्टी से कुंवर यज्ञदत्त व राहुल पाण्डेय, एडीएम डॉ. प्रशान्त कुमार, सभी एसडीएम व सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मैं इस फैसले का सम्मान करता हूं, क्या इससे राहुल गांधी सबक लेगें –प्रतीक भूषण

संवाददाता–गोंडा। जिले के कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के विधायक बेटे गोंडा सदर से भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने सुल्तानपुर कोर्ट द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमित शाह के मानहानि मामले में बरी किए जाने को लेकर उन्होंने मीडिया से बात कर

मैं इस फैसले का तो सम्मान करता हूँ, पर इससे क्या राहुल गांध ी जी सबक ले पाएंगे? यह कहना मुश्किल है क्योंकि अभी उत्तर प्रदेश में चुनाव आ रहा है और सीटें एक को नहीं हैं, बात इतनी अभी कर देंगे जो शोभा नहीं देगी। और अब जैसे बड़े लोगों पर आरोप लगाना, कल्चर के बारे में बात करना,हिंदुइज्म के बारे में मतलब वो दुष्प्रचार इतना करते हैं, उसमें बोलते–बोलते बहुत आगे निकल जाते हैं। ये लीडर ऑफ अपोजिशन के लिए शोभा नहीं देता और इस प्रकार की बातें उनको नहीं करनी चाहिए। थोड़ा संयम रखना चाहिए। लोगों में शांति रहने देना चाहिए, उसको हर हमेशा डिस्टेबलाइज करने का प्रयास करना, लोगों को भड़काना, देश को भड़काना, यह बंद होना चाहिए। मैं तो कहता हूँ कि हमारे अपोजिशन को लीडर ऑफ अपोजिशन पर विचार करना चाहिए। दरअसल आपको बता दें कि पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी अक्सर राहुल गांधी पर बयान देकर के उन्हें निशाने पर लिए रहते हैं। इनकी दोनों बेटे विधायक प्रतीक भूषण सिंह और सांसद करण भूषण सिंह बयान देकर के राहुल गांधी पर निशाना साधते रहते है।

तमकुही रोड स्टेशन पर युवक को गोली मारने के दो आरोपी गोरखपुर से गिरफ्तार

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुही रोड रेलवे स्टेशन पर गोमती नगर एक्सप्रेस में सवार होने जा रहे राजन शर्मा को गोली मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में जीआरपी ने दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को 26 अक्तूबर को गोरखपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक के पश्चिमी छोर से पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ट्रेन पकड़कर दूसरे शहर या राज्य में भागने की फिराक में थे। पूछताछ में उन्होंने पुरानी रंजिश के चलते साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। इसके पहले एक आरोपी मुकेश को जीआरपी गिरफ्तार कर चुकी है,मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर आदर्श सिंह उर्फ बंटी समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम दबिश दे रही है।

जीआरपी के अनुसार, 19 अक्तूबर की रात करीब 10:30 बजे राजन शर्मा अपने परिवार के साथ तमकुही रोड स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15114 गोमती नगर एक्सप्रेस में यात्रा के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। जान बचाने के लिए राजन ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करने लगे तो आरोपियों ने दौड़ाकर उनकी दाहिनी जांघ में पीछे से गोली मार दी। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल को जिला अस्पताल कुशीनगर में भर्ती कराया गया था।

पीड़ित के परिजन विनोद शर्मा की तहरीर पर जीआरपी गोरखपुर में जानलेवा हमले समेत अन्य ध ाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। सोमवार को चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने गोविंद चौहान (25) और राजू यादव (21), निवासी दोमाठ, थाना तरयासुजान, कुशीनगर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, गोविंद पर तरयासुजान थाने में मारपीट और आर्म्स एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, राजू के खिलाफ भी विभिन्न थानों में गोहत्या निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और गिरोहबंद अधिनियम समेत कई मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार गोरखपुर भेज दिया गया।

एपी बांध टूटने से 30 गांवों में तबाही के बाद स्थायी समाधान की तैयारी

संवाददाता–कुशीनगर। एपी बांध टूटने से तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के करीब 30 गांवों में मची तबाही की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान की तलाश तेज हो गई है। नारायणी (गंडक) नदी की धारा को नियंत्रित करने और तटबंधों को सुरक्षित रखने के लिए चेनलाइजेशन की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इसके लिए तकनीकी अध्ययन कराया जा रहा है। रविवार को आईआईटी बीएचयू के प्रोफेसर डॉ. एके पांडेय ने एपी बांध का निरीक्षण किया और नदी की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। वह कंप्यूटर आधारित न्यूमेरिकल स्टडी के माध्यम से नदी के व्यवहार का विश्लेषण कर सरकार को प्रस्ताव सौंपेंगे।

नेपाल में तबाही के बाद नारायणी नदी में 5.50 लाख क्यूसेक से अधिक पानी पहुंचने पर 28 सितंबर की रात गौरहा गांव के पास एपी बांध टूट गया था। इससे तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के करीब 30 गांवों में बाढ़ से तबाही मची थी। इसके बाद 28 सितंबर को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थायी समाधान का आश्वासन देते हुए नदी के चेनलाइजेशन की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए थे।

प्रोफेसर डॉ. एके पांडेय के अनुसार, गंडक जैसी विशाल नदी की धारा को नियंत्रित करने और तटबंधों को सुरक्षित रखने के लिए केवल मौके पर निरीक्षण करना पर्याप्त नहीं है। नदी के बहाव, जलस्तर, कटान और गाद के जमाव का वैज्ञानिक विश्लेषण भी जरूरी है। इसके लिए न्यूमेरिकल स्टडी यानी कंप्यूटर आधारित गणितीय मॉडलिंग की मदद ली जा सकती है। इस अध ययन में नदी की चौड़ाई, गहराई, बहाव की गति और जलस्तर से जुड़े आंकड़ों के आधार पर अलग–अलग परिस्थितियों में नदी के व्यवहार का आकलन किया जाएगा। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि तेज बहाव के दौरान किन स्थानों पर तटबंधों पर अधिक दबाव पड़ता है, कहां कटान की आशंका है और नदी की धारा किस दिशा में बदल सकती है।

तकनीकी अध्ययन से बाढ़ के संभावित प्रभावों का आकलन करने और संवेदनशील स्थानों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। इसके आधार पर तटबंधों की मरम्मत, सुरक्षा संरचनाओं के निर्माण और कटान रोकने के उपायों की योजना तैयार की जा सकेगी। कंप्यूटर मॉडल पर अलग–अलग परिस्थितियों का परीक्षण करने से संभावित तकनीकी विकल्पों का आकलन भी किया जा सकता है। नदी के चेनलाइजेशन का उद्देश्य तकनीकी उपायों के जरिये उसकी ध ारा को निर्धारित दिशा में प्रवाहित करना है। इसके लिए नदी की प्राकृ तिक बनावट, बहाव और आसपास के तटबंधों की स्थिति का अध्ययन जरूरी है। न्यूमेरिकल स्टडी के आध ार पर यह आकलन किया जाएगा कि किन स्थानों पर नदी की धारा को व्यवस्थित करने, तटबंधों को मजबूत करने या कटान रोकने के लिए अतिरिक्त उपायों की जरूरत है। अध ययन के बाद यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि चेनलाइजेशन उपयुक्त विकल्प है या बाढ़ से बचाव के लिए किसी अन्य तकनीकी उपाय को अपनाया जा सकता है।

आईआईटी बीएचयू के प्रोफेसर डॉ. एके पांडेय ने एपी बांध का निरीक्षण किया है। वह बांध टूटने वाले स्थान पर भी गए और नदी की भौगोलिक स्थिति का अध्ययन किया। कंप्यूटर की मदद से नदी की गतिविधियों को समझने के लिए न्यूमेरिकल स्टडी की जाएगी। इसके आधार पर प्रस्ताव तैयार कर सरकार को सौंपा जाएगा। अध्ययन से पता चलेगा कि नदी के चेनलाइजेशन की जरूरत है या किसी अन्य तकनीकी उपाय से बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकता है।

–वीपी सिंह, चीफ इंजीनियर बाढ़ खंड गोरखपुर

पीएम के माता–पिता पर कमेंट कर कांग्रेस गर्त में गई –बृजभूषण शरण सिंह

संवाददाता–बलरामपुर। बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस अध यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा– कांग्रेस गर्त में क्यों जा रही है? कभी प्रधानमंत्री के पिता की बात करेंगे, तो कभी उनकी मां को लेकर टिप्पणी करेंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार के पटना में रविवार को पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में कहा था– मोदी क्या मोदी का बाप भी जाएगा। सोमवार सुबह करीब 11 बजे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह शक्ति स्मारक संस्थान के राष्ट्रीय छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में पहुंचे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को पटना में कांग्रेस के कार्यक्रम में यह बयान दिया था। उन्होंने तीन बार यह बात दोहराई थी। एक व्यक्ति ने कार्यक्रम के दौरान कहा था कि प्रधानमंत्री कहीं नहीं जाएंगे, जिसके जवाब में खड़गे ने यह टिप्पणी की थी।

इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स की पिटाई कर दी। इसी मामले को लेकर बिहार के पटना में शिकायत दर्ज हुई है। बीजेपी कार्यकर्ता कृष्ण कुमार सिंह ने खड़गे से 24 घंटे के भीतर माफी मांगने को कहा है।

भाजपा बोली– ये पार्टी ने माफिया मालूम होते हैं खड़गे के इस बयान के बाद भाजपा ने एक्स पर खड़गे का वीडियो शेयर करके लिखा– कभी जिस भाषा को गुंडे–मवालियों से जोड़ा जाता था, आज कांग्रेस अध्यक्ष उसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि एक माफिया गैंग प्रतीत होती है।

बृजभूषण के साथ सेल्फी लेने की होड़ लगी बृजभूषण राष्ट्रीय छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान बृजभूषण शरण सिंह के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर 64 विद्यालयों के 1,700 छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। पूर्व सांसद के साथ सेल्फी लेने के लिए छात्र–छात्राओं में होड़ लगी रही। कार्यक्रम में सम्मान समारोह के साथ बृजभूषण शरण सिंह की मौजूदगी भी आकर्षण का केंद्र बनी रही।

जमीन खिसकती देख जनता को गुमराह करने में जुटा विपक्ष –राहुल श्रीवास्तव

संवाददाता–महराजगंज। लोकतंत्र बचाओ–अराजकता हटाओ अभियान को लेकर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में भाजपा की तैयारी बैठक हुई। क्षेत्रीय महामंत्री राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि विपक्ष अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भ्रम फैलाना विपक्ष की हताशा और मुद्दाविहीन राजनीति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पदयात्राओं और जनसंवाद के जरिए विपक्ष के हर झूठ और दुष्प्रचार का तथ्यों के साथ जवाब देंगे। कहा कि विपक्ष जितना भ्रम फैलाएगा, भाजपा कार्यकर्ता उतनी ही मजबूती से जनता के बीच सच्चाई लेकर पहुंचेंगे।

उन्होंने कहा कि देश की जनता जागरूक है और वह अराजकता की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि महराजगंज में अभियान को संगठन की पूरी ताकत और व्यापक जनभागीदारी के साथ जमीन पर उतारा जाएगा। पदयात्राओं के माध यम से भाजपा कार्यकर्ता घर–घर और जन–जन तक पहुंचकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया के बारे में जागरूकता बढ़ाएंगे। सदर विध ायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि एसआईआर को लेकर जनता के मन में कोई भ्रम न रहे, इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता तथ्यात्मक जानकारी के साथ लोगों के बीच जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष को हर संवैधानिक प्रक्रिया में राजनीति तलाशने और जनता को गुमराह करने के बजाय रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य जनार्दन प्रसाद गुप्त, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, पनियरा ब्लॉक प्रमुख वेद प्रकाश शुक्ल, जिला महामंत्री प्रभाकर द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष समीर त्रिपाठी, पनियरा नगर अध्यक्ष उमेश जायसवाल, पूर्व जिला महामंत्री ओम प्रकाश पटेल, जिला महामंत्री अश्वनी सिंह, नगर अध यक्ष संतोष जायसवाल, सतीश मद्धेशिया और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि धीरू सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान जिला महामंत्री बबलू यादव, मधुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, शैलेश पांडेय, जिला मंत्री दिनेश जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष आकाश गुप्ता, आकाश श्रीवास्तव, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभलक्ष्मी सिंह, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री नरेंद्र खरवार, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ पटेल, मंडल अध्यक्ष हेमंत गुप्ता, टाइगर तिवारी, अशोक पटेल और अभिषेक पांडेय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आईपीएल चीनी मिल में सोमवार को विधि–विधान से हुआ बॉयलर का पूजन

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा नगर स्थित आईपीएल चीनी मिल में सोमवार को विधि–विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बॉयलर पूजन किया गया। इसके साथ ही मिल में पेराई सत्र 2026–27 की तैयारियों का शुभारंभ हो गया। मिल के प्रधान प्रबंधक दीपेंद्र कुमार ने मुख्य यजमान के रूप में हवन में आहुति दी। इसके बाद बॉयलर में अग्नि प्रज्वलित की गई। पूजन का अनुष्ठान आंच सुरेंद्र तिवारी एवं शैलेष तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया।प्रधान प्रबंधक दीपेंद्र कुमार ने कहा कि पेराई सत्र की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रबंध निदेशक और उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुरूप जल्द ही नवंबर माह में गन्ना पेराई सत्र शुरू कर दिया जाएगा।

मिल प्रबंधन की प्राथमिकता रहेगी कि पेराई सत्र के दौरान क्षेत्र के किसानों को किसी प्रकार की असुविध ा न हो। किसानों की सुविधा और मिल के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान विभागाध्यक्ष गन्ना धीरज सिंह, लेखाधिकारी कपिल कुमार बेरी, विभागाध्यक्ष यांत्रिक लोकेश कुमार दीक्षित, विभागाध्यक्ष उत्पादन राजकुमार, डिप्टी मैनेजर एचआर एंड एडमिन संजय कुमार श्रीवास्तव, अध‍ि ाकारी (एचआर) रंजीत कुमार श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियर सुरेश खरवार, मैनेजर (आईटी) अनुराग त्रिपाठी, डिप्टी चीफ इंजीनियर इलेक्ट्रिकल विनोद कुमार शुक्ला, बॉयलर इंजीनियर नीतीश कुमार सहित इकाई के समस्त अधिकारीगण, कर्मचारी एवं मजदूर आदि मौजूद रहे।

खेम पिपरा में सात करोड़ से बनने वाले बिजली उपकेन्द्र की रखी गई आधारशिला

संवाददाता–महराजगंज। सदर विधानसभा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने और ग्रामीण उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध ा कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। ग्राम खेम पिपरा में सदर विध ायक जयमंगल कन्नौजिया ने 6 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र की विधिवत पूजन–अर्चन कर आधारशिला रखी। इस उपकेंद्र के निर्माण से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की समस्या दूर होगी और लो वोल्टेज व कटौती से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मजबूत बुनियादी सुविधाओं का होना आवश्यक है। बिजली आज केवल घरेलू जरूरत नहीं, बल्कि कृषि, शिक्षा, व्यापार और रोजगार का भी प्रमुख आधार है। ऐसे में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। खेम पिपरा में विद्युत उपकेंद्र का निर्माण क्षेत्र के विकास को नई गति देने के साथ ही आम जनता की बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कहा कि इससे किसानों को सिंचाई, विद्यार्थियों को पढ़ाई और छोटे कारोबारियों को अपना काम सुचारु रूप से संचालित करने में सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर अवर अभियंता संजय कुमार गौड़, प्रमुख वेद शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य अभय बहादुर सिंह, विजय सिंह, प्रधान प्रतिनिधि रिगेश गुप्ता, पूर्व प्रधान अजय पटेल, राम आशीष, प्रधान कुंदन वर्मा, सुग्रीव पांडेय, रानू द्विवेदी, प्रधान चेतन वर्मा, योगेंद्र नायक सहित तमाम ग्रामवासी मौजूद रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

संवाददाता–महराजगंज। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सोमवार को महर्षि वाल्मीकि और संत शिरोमणि नामदेव की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। सपा कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर फूल चढ़ाकर उनके जीवन और समाज के प्रति योगदान को याद किया। इस अवसर पर सदर विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी निर्मेश मंगल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपने विचारों से समाज को सत्य और आदर्श जीवन का संदेश दिया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में सद्भाव और भाईचारा मजबूत करना चाहिए।

बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रवण पटेल ने कहा कि महापुरुषों के विचार आज भी समाज को सही दिशा दिखाते हैं। जिला उपाध्यक्ष प्रणय गौतम ने उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने पर जोर दिया। युवाओं से शिक्षा के माध यम से समाज में बदलाव लाने का आह्वान भी किया गया।

कार्यक्रम में विद्यासागर यादव, विजय जायसवाल, राजेश निषाद, आदित्य यादव, राहुल पाण्डेय समेत कई सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिद्धपीठ रसमोद कुंज में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई शरद पूर्णिमा

चंद्रमा की चांदनी में विराजे ठाकुर जी, दूध की खीर का लगाया गया भोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सिद्धपीठ रसमोद कुंज में शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान की भव्य एवं दिव्य झांकी सजाई गई। शाम होते ही मंदिर परिसर में उत्सव का माहौल छा गया। ठाकुर जी को मंदिर के आंगन में चंद्रमा की चांदनी के बीच विराजमान कराया गया। उन्हें विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के साथ विशेष रूप से दूध की खीर का भोग लगाया गया। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।रसमोद कुंज के पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा की किरणों में अमृत का प्रभाव माना जाता है। इसी मान्यता के चलते इस दिन मंदिरों में ठाकुर जी को खुले आंगन में विराजमान कर चंद्रमा की रोशनी में खीर का भोग अर्पित किया जाता है। इसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया जाता है।उन्होंने बताया कि मंदिर में शरद पूर्णिमा उत्सव की तैयारियां सुबह से ही शुरू हो गई थीं। शाम को भगवान की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसके दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। ठाकुर जी की दिव्य झांकी के दर्शन कर भक्त भावविभोर हो उठे। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा।

शरद पूर्णिमा पर अमृत बरसाती हैं चंद्रमा की किरणें –स्वामी छविराम दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

श्री सीताबल्लभ कुंज में श्रद्धा के साथ मनाया गया शरद पूर्णिमा उत्सव, ठाकुर जी को खीर का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में बांटा प्रसाद

अयोध्या। शरद पूर्णिमा आनंद, उत्सव और आध्यात्मिक उल्लास का पर्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और उसकी किरणों में अमृत का प्रभाव माना जाता है। इसी मान्यता के चलते शरद पूर्णिमा की रात खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखने की परंपरा है।

यह बातें श्री सीताबल्लभ कुंज सत्संग सेवा समिति, अन्नक्षेत्र श्री बड़े हनुमान मंदिर, जानकी घाट के अध‍ि ाकारी स्वामी छविराम दास महाराज ने कहीं।उन्होंने बताया कि शरद पूर्णिमा का संबंध स्वास्थ्य, समृद्धि और धार्मिक आस्था से भी जुड़ा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन से चंद्रमा और देवी लक्ष्मी प्रकट हुए थे। इसी कारण दोनों के बीच भाई–बहन का संबंध ा माना जाता है। एक मान्यता के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और धर्मपूर्वक जीवन व्यतीत करने वाले लोगों को आशीर्वाद प्रदान करती हैं। उनके स्वागत में घरों में दीप जलाने की परंपरा भी प्रचलित है।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्री सीताबल्लभ कुंज में वर्तमान पीठाध ीश्वर महंत रामश्रेष्ठ दास महाराज के सानिध्य में भगवान की भव्य झांकी सजाई गई। सुबह भगवान का पंचामृत से अभिषेक कर नवीन वस्त्र धारण कराए गए। इसके बाद विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। इनमें दूध से बनी खीर प्रमुख रही।स्वामी छविराम दास महाराज ने बताया कि धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान को भोग लगाने के बाद खीर को चंद्रमा की चांदनी में रखा गया। मान्यता है कि चंद्रमा की किरणों के प्रभाव से खीर अमृततुल्य हो जाती है। बाद में इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। इस अवसर पर मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को खीर का प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही भगवान से सभी के दुखों का निवारण करने और सुख–समृद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

टीचर का इकलौता बेटा ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे गिरा, शव देखकर मां–बाप बेहोश

संवाददाता–संतकबीरनगर। टीचर के इकलौते बेटे की ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे गिरकर मौत हो गई। किशोर सड़क पर औंधे मुंह गिरा। वह नया गिटार खरीदकर बाइक से वापस लौट रहा था। हादसा रविवार देर रात करीब 12 बजे हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और परिजनों को घटना की जानकारी दी। बेटे का शव देख माता–पिता बेहोश हो गए। मृतक की पहचान शाश्वत राय (17) के रूप में हुई है। पिता संजय राय सरकारी और मां अनिता राय प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। हादसा खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र में हुआ। शाश्वत इलाहाबाद में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मूलरूप से मेंहदावल के अव्वल केवटलिया मोहल्ले में रहता था। पिछले पांच साल से मां–बाप और 4 साल की बहन खलीलाबाद शहर में किराए के मकान में रह रहे थे। पिता की तैनाती मेंहदावल विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय, गगनई बाबू में है। मां ब्लूमिंग बड्स स्कूल में पढ़ाती हैं। परिजनों के मुताबिक, शाश्वत रात करीब 8 बजे घर से गिटार लेने के लिए बाइक लेकर निकला था। शाश्वत के चाचा संजित राय ने बताया कि उनका भतीजा गिटार लेकर वापस घर आ रहा था। नूर मस्जिद के सामने से ओवरब्रिज से गुजरते समय पीछे से किसी गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे वह फ्लाईओवर से नीचे गोलाबाजार के पास पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर गिर गया। उन्होंने बताया– नवरात्रि से दो दिन पहले वह घर आया था। सोमवार को वापस इलाहाबाद जाने वाला था। उसके जाने के लिए सामान की पैकिंग भी हो चुकी थी। घर से निकलते हुए शाश्वत ने मां से कहा था कि दो मिनट में गिटार लेकर आ रहा हूं। चाचा ने बताया– वह पढ़ाई में होनहार था। हाईस्कूल में 92.4: अंक हासिल किए थे। क्ड ने सम्मानित भी किया था। उसका सपना इंजीनियर बनने का था। उसने आईईआरटी की परीक्षा में 500वीं रैंक हासिल की थी। घटना की सूचना मिलने के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर लोगों की भारी भीड़ जुटने लगी। मेंहदावल के विधायक अनिल त्रिपाठी, सपा नेता और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी जयराम पांडेय भी पहुंचे। दोनों ने घटना पर दुख जताते हुए परिजनों को ढांढस बंधाया।

धान की कटी फसल सुरक्षित रखें, खेतों में जलनिकासी का करें इंतजाम

संवाददाता–गोरखपुर। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 से 31 अक्तूबर के बीच बारिश, गरज–चमक और तेज हवाएं चलने की आशंका है। मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उप कृषि निदेशक डॉ. धनंजय सिंह ने किसानों से अपील की कि बारिश की संभावना को देखते हुए किसान खेतों की नालियां साफ कर दें, ताकि अतिरिक्त पानी आसानी से निकल सके। धान की पक चुकी फसल की कटाई मौसम अनुकूल होने पर ही करें। कटी फसल को खुले में छोड़ने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रखें और जरूरत पड़ने पर तिरपाल से ढक दें। भूसा और अन्य कृषि उत्पादों को भी बारिश से बचाकर रखें।

मटर, मसूर और चना की बुवाई के लिए खेत से अतिरिक्त पानी निकलने और उचित नमी होने तक इंतजार करें। जलभराव वाले खेतों में बुवाई नहीं करें। सरसों और अलसी की बुवाई से पहले भी जलनिकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें। खेत में पानी भरने की आशंका होने पर बुवाई कुछ समय के लिए टाल दें।

जिला उद्यान अधिकारी पारस नाथ ने किसानों को सलाह दी है कि सब्जियों और आलू की नर्सरी तथा निचले खेतों से पानी निकालने का इंतजाम करें। तेज हवा से पौधों को गिरने से बचाने के लिए जरूरी सहारा दें। बारिश से पहले सिंचाई, उर्वरक और कीटनाशकों का छिड़काव स्थगित रखें। वर्षा समाप्त होने के बाद फसल की स्थिति का आकलन करने के बाद ही खाद और दवाओं का इस्तेमाल करें। डॉ. सिंह ने किसानों को सलाह दी कि तेज हवा, गरज–चमक और बिजली गिरने की आशंका के दौरान खेतों में काम न करें और पेड़ों के नीचे आश्रय लेने से बचें। पशुओं को खुले में न बांधें। उन्हें सुरक्षित और सूखे स्थान पर रखें। चारे को भीगने से बचाएं। खेतों में जलभराव होने पर तत्काल निकासी की व्यवस्था करें।

शास्त्रीय, सुगम संगीत प्रतियोगिता में बस्ती की प्रतिभाओं ने बिखेरा हुनर

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के संस्कृत विभाग की ओर से सोमवार को पं. ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान के सौजन्य से प्रेस क्लब सभागार में शास्त्रीय एवं सुगम संगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बाल, किशोर और युवा वर्ग के प्रतिभागियों ने अपनी संगीत प्रतिभा का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम का संपूर्ण संगीत संयोजन संगीत शिक्षक राजेश कुमार आर्या ने किया। प्रतियोगिता में बाल वर्ग शास्त्रीय संगीत में स्वरांग, पार्थिका त्रिपाठी, प्रिंस शर्मा, आकर्ष शुक्ला और अथर्व मिश्रा ने प्रतिभाग किया। किशोर वर्ग शास्त्रीय संगीत में अनिकेत पाण्डेय, इशिता सिंह और अनुष्का गुप्ता ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। किशोर वर्ग में बांसुरी वादन के लिए श्याम मिश्रा ने प्रतिभाग किया।

सुगम संगीत के बाल वर्ग में विशेष कुमार गुप्ता, अद्विक ओझा और अनय सक्सेना ने अपनी प्रतिभा दिखाई। किशोर वर्ग में अपर्णा श्रीवास्तव और दिव्यांशु ने प्रस्तुति दी, जबकि युवा वर्ग में विभोर शुक्ला ने प्रतिभाग किया।

स्वरांग, इशिता सिंह, दिव्यांशु पाण्डेय और श्याम मिश्रा सहित कई प्रतिभागियों ने हासिल किया प्रथम स्थान

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में गायिका डॉ. रंजना अग्रहरि, कथक नर्तक डॉ. राघवेंद्र सिंह, तबला वादक मनीष मिश्रा, गायक आशीष यादव तथा उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के प्रतियोगिता संयोजक डॉ. पवन तिवारी शामिल रहे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन कर परिणाम घोषित किए। कार्यक्रम का संचालन विनोद कुमार उपाध्याय ने किया।

परिणामों के अनुसार, बाल वर्ग शास्त्रीय संगीत में स्वरांग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि किशोर वर्ग शास्त्रीय संगीत में इशिता सिंह प्रथम रहीं। सुगम संगीत की गजल विधा में दिव्यांशु पाण्डेय ने प्रथम स्थान हासिल किया। सुषिर वाद्य वर्ग में श्याम मिश्रा प्रथम रहे।

बाल वर्ग सुगम संगीत की भजन विधा में विशेष कुमार गुप्ता ने प्रथम, इशिका ओझा ने द्वितीय और अनय सक्सेना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। किशोर वर्ग भजन में अपर्णा श्रीवास्तव प्रथम रहीं, जबकि युवा वर्ग भजन में विभोर शुक्ला ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में संतोष कुमार श्रीवास्तव, रजनी गुप्ता, अभिषेक आर्य, आदित्य त्रिपाठी, इरफान, प्रताप शंकर पाण्डेय, प्रमोद, शैलेश, अभिषेक सेन, नितेश और आरती श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य उभरती शास्त्रीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करना रहा।

ट्रेन और स्कूल से चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एंटी थेफ्ट टीम, सर्विलांस सेल और कपिलवस्तु थाना पुलिस ने चोरी के मामले में एक आरोपी और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 4,015 रुपये भारतीय मुद्रा और 100 रुपये नेपाली मुद्रा बरामद हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने 24–25 अक्टूबर की रात गोरखपुर रेलवे स्टेशन से चलने वाली गोमती छपरा ट्रेन में मोबाइल चोरी करने की बात कबूल की। इस मामले में जीआरपी गोरखपुर में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने शोहरतगढ़ के कोटिया स्थित एक स्कूल में भी चोरी की थी। करीब 15–20 दिन पहले स्कूल से टैबलेट, टीवी, हार्ड डिस्क, खाने–पीने का सामान, गेहूं और चावल चोरी किए गए थे। आरोप है कि चोरी का सामान नेपाल में 22 हजार रुपये में बेचा गया था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुमित उर्फ महाकाल पुत्र सुरेश वाल्मीकि, निवासी बेलहिया चौराहा, सिद्धार्थनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ जिले के अलग–अलग थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2022 में सिद्धार्थनगर थाने में मारपीट, गाली–गलौज और धमकी से संबंधित दो मुकदमे दर्ज हुए थे। वर्ष 2023 में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। वर्ष 2024 में हत्या के प्रयास, रास्ता रोकने, मारपीट और धमकी से संबंधित दो मुकदमे दर्ज हुए। वर्ष 2025 में आर्म्स एक्ट के तहत एक मामला दर्ज हुआ। इसी वर्ष उसका बाजार थाने में भी एक मुकदमा दर्ज किया गया। वर्ष 2026 में सिद्धार्थनगर थाने में गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई करने वाली टीम में कपिलवस्तु थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, एंटी थेफ्ट प्रभारी ओम प्रकाश मिश्र, सर्विलांस सेल प्रभारी शशिकांत, उपनिरीक्षक संदीप कुमार यादव और सदरूल आलमीन समेत एंटी थेफ्ट टीम और कपिलवस्तु थाने के अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर आरोपी और बाल अपचारी को न्यायालय भेज दिया।

मकान मालिक और उनकी पत्नी से परेशान होकर बुजुर्ग ने की खुदकुशी, मौत से पहले बनाया वीडियो

संवाददाता–गोरखपुर। हेयर सैलून संचालक ने रविवार को जहर पीकर जान दे दी। सुसाइड से पहले उसने एक वीडियो भी बनाया। इसमें अपने मकान मालिक और उसकी पत्नी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। कहा कि उन्हीं दोनों को उसका कातिल माना जाए। उनसे परेशान होकर आत्महत्या कर रहा हूं।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के बक्शीपुर का है। यहां अनूप कुमार जायसवाल के मकान में 63 वर्षीय नजीर अहमद खान उर्फ पप्पू किराए पर रहते थे। इसी बिल्डिंग में ही उन्होंने किराए पर दुकान भी ले रखी थी, जिसमें हेयर सैलून चलाते थे। उनके भतीजे शादाब खान ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर करीब 3 बजे चाचा ने अपनी दुकान में जहर खा लिया। जानकारी मिलने पर परिवार के लोग दुकान पहुंचे। वहां नजीर अहमद अचेत अवस्था में मिले। उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान रात करीब 8 बजे उनकी मौत हो गई।

करीब डेढ़ मिनट के वीडियो में नजीर अहमद ने अपने मकान मालिक अनूप कुमार जायसवाल और उनकी पत्नी पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों उन्हें परेशान करते हैं और वह उनसे तंग आकर आत्महत्या कर रहे हैं। वीडियो में उन्होंने अपनी मौत के लिए दोनों को जिम्मेदार ठहराने की बात कही। नजीर अहमद ने वीडियो में यह भी आरोप लगाया कि कुछ समय पहले मकान मालिक ने उन पर अपनी पत्नी के साथ छेड़खानी करने का आरोप लगाया था। उनके मुताबिक, उस मामले में उन्होंने कोतवाली थाने में सबूत पेश किए थे और किसी तरह खुद को बचाया था। उन्होंने यह भी कहा कि अब फिर उनके खिलाफ कोई मामला किया गया है, लेकिन उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। उनके अनुसार, पुलिस जांच के बाद रिपोर्ट लगाकर चली गई थी।

वीडियो में नजीर अहमद ने आरोप लगाया कि दुकान को लेकर उन्हें बार–बार परेशान किया जाता था। उन्होंने बिना नोटिस कार्रवाई करने और पानी की पाइप तोड़ने का आरोप भी लगाया। उनका कहना था कि दुकान में ठीक से खड़े होने तक की जगह नहीं बची है। कोतवाली थाना प्रभारी के मुताबिक, नजीर अहमद का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में थ्थ् दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वीडियो और परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपों की जांच कर रही है।

युवती से जबरन संबंध बनाने के प्रयास का आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में 19 वर्षीय युवती को खेत में धमकाकर जबरन संबंध बनाने का प्रयास करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपित की पहचान बृजेश पुत्र प्रमोद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 16 अक्तूबर को युवती खेत की ओर गई थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव के बृजेश ने उसके साथ जबरन संबंध बनाने का प्रयास किया। युवती के विरोध करने पर आरोपित ने उसे धमकी दी कि यदि उसने घटना की जानकारी घर पर किसी को दी तो उसके भाई की हत्या कर देगा। घटना के बाद पीड़िता की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने आरोपित बृजेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सफाईमित्रों का हुआ सम्मान

संवाददाता–गोरखपुर। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर निगम के सभाकक्ष में सफाई मित्र सम्मान कार्यक्रम आयोजित हुआ। अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार एवं सहायक नगर आयुक्त अविनाश कुमार ने महानगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई मित्रों का सम्मान कर पीपीई किट प्रदान की। निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार ने श्रम, समर्पण और शहर को स्वच्छ रखने में योगदान के प्रति आभार जताया गया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था में सफाई मित्रों की भूमिका अहम है। महानगर की सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए वे प्रतिदिन जिम्मेदारी निभाते हैं।

पीपीई किट देकर उन्हें सम्मानित करने का उद्देश्य उनके योगदान को पहचान देने के साथ कार्य के दौरान सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। सफाई मित्रों का सम्मान उनके श्रम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और स्वच्छता कार्यों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने का प्रतीक है। कार्यक्रम में 20 की संख्या में स्वच्छता मित्रों को पीपीई किट मिली।

बैती कला में धूमधाम से निकली विसर्जन यात्रा

संवाददाता–अयोध्या। बीकापुर के बैती कला गांव में सोमवार को दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गाजे–बाजे और माता रानी के जयकारों के बीच निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गांव की गलियों से होते हुए शोभायात्रा विसुही नदी पहुंची, जहां विधि–विधान के साथ छह दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। ग्राम प्रधान अनिल सिंह राजपूत के नेतृत्व में दोपहर को शुरू हुई शोभायात्रा में महिलाएं, बच्चे और युवा उत्साह के साथ शामिल हुए। डीजे पर बज रहे माता रानी के भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। अबीर–गुलाल उड़ाकर भक्तों ने मां दुर्गा के जयकारे लगाए। रास्ते में कई स्थानों पर स्थानीय लोगों की ओर से प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी। शाम को प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन हो गया। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए हैदरगंज पुलिस मौजूद रही। ग्राम प्रधान अनिल सिंह राजपूत ने बताया कि इस बार ग्राम पंचायत में नौ स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। इनमें तीन प्रतिमाओं का विसर्जन दशमी के दिन किया गया था, जबकि छह प्रतिमाओं का विसर्जन सोमवार को हुआ। इस दौरान बंटी सिंह सहित आयोजन मंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर समायत अपील

अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण अपील सं0–55/2026

सच्चिदानन्द आदि

बनाम

भोला जायसवाल आदि

1. भोला जायसवाल उम्र करीब 55 वर्ष पुत्र वंशीधर 2. शैल जायसवाल उम्र करीब 50 वर्ष पत्नी भोला जायसवाल 3. आर्शिवाद उर्फ सनद उम्र करीब वर्ष पुत्र भोला जायसवाल निवासीगण ग्राम भटहाजंगल (वार्ड नं0–8 बाबा बागेश्वर नगर, नगर पंचायत बभनान) तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम पोस्ट बभनान तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–रेस्पान्डेटियानगण

तारीख पेशी 28–10–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमे में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 28 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती

उत्तराधिकार प्रकीर्ण वाद सं0 213/2026

सौलत इरफान–सायलान

1– सौलत इरफान आयु 27 वर्ष 2– मो. रिजवान आयु 39 वर्ष 3– मो. उमर आयु 23 वर्ष 4– कमर इरफान आयु 21 वर्ष पुत्रगण स्व. इरफान खान 5– मसूदा बेगम आयु 61 वर्ष पत्नी स्व. इरफान खान 6– जीनत आयु 33 वर्ष पुत्री स्व. इरफान खान 7– नेमत हाजरा आयु 16 वर्ष पुत्री स्व. इरफान खान नाबालिग जरिये संरक्षिका माता मसूदा बेगम समस्त निवासीगण मोहल्ला मीरानपुर पोस्ट टांडा व् तहसील टांडा जिला अम्बेडकरनगर

तारीख पेशी 03–11–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालात हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकेद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 03–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती

उत्तराधिकार प्रकीर्ण वाद सं0 137/2026

श्रीमती रूमी श्रीवास्तव–सायलान

1. श्रीमती रूमी श्रीवास्तव उम्र लगभग 48 वर्ष पत्नी स्व. मनोज कुमार श्रीवास्तव 2. मानवेन्द्र श्रीवास्तव उम्र लगभग 12 वर्ष पुत्र स्व. मनोज कुमार श्रीवास्तव नाबालिग संरक्षिका माता श्रीमती रूमी श्रीवास्तव स्वयं निवासियान मोहल्ला रामेश्वरपुरी 1013–14 कोर्ट एरिया रामेश्वरपुरी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–11–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालात हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकेद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 23–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–645/2025

श्रीमती प्रानपति आदि

बनाम

पारसनाथ तिवारी

1–पारस नाथ तिवारी उम्र लगभग 78 वर्ष 2–ओंकार नाथ तिवारी उम्र लगभग 75 वर्ष पुत्रगण रामसुरत उर्फ घुल्लुर तिवारी 3–यशोदा नन्दन तिवारी उर्फ ठनठन तिवारी उम्र लगभग 50 वर्ष 4– बृजकिशोर तिवारी उम्र लगभग 57 वर्ष 5–मनोज कुमार तिवारी उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण ओंकार नाथ तिवारी निवासीगण ग्राम गोविन्दपारा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 30–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश

(आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–152/2025

मूलवाद सं0–80/1985

पलझन (मृतक) आदि

बनाम

गनेश सिंह (मृतक) आदि

1. गनेश सिंह उम्र लगभग 55 साल पुत्र शिवकुमार सिंह मृतक 2. कमल सिंह उम्र लगभग 50 साल पुत्र शिवकुमार सिंह –मृतक 3– राममिलन सिंह उम्र 42 साल पुत्र शिवकुमार सिंह –मृतक 3/1– श्रीमती पुष्पा सिंह उम्र लगभग 65 साल पत्नी राममिलन सिंह –मृतक 3/2– राजेश सिंह उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्र राममिलन सिंह 3/3– रोहित सिंह उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र इन्द्रजीत सिंह 3/4– श्रीमती सनी सिंह उम्र लगभग 42 वर्ष पत्नी छोटे सिंह – मृतक 3/5– ऋषभ सिंह उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र छोटेलाल 4– पहलवान सिंह उम्र लगभग 39 साल पुत्र शिवकुमार सिंह –मृतक 4/1– भानू सिंह उम्र लगभग 43 वर्ष 4/2– धीरेन्द्र सिंह उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्रगण पहलवान सिंह 5– रामउग्रह सिंह उम्र लगभग 80 वर्ष पुत्र जैदत्त सिंह –मृतक 5/1– उदयराज सिंह उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र फौजदार सिंह 5/2– सुरेश उम्र लगभग 52 वर्ष 5/3– भीम सिंह उम्र लगभग 48 वर्ष 5/4– नन्हे उम्र लगभग 42 वर्ष 5/5– सुरजीत सिंह उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्रगण कुंअर बहादुर सिंह 6– टेढ़ू सिंह उम्र लगभग 52 साल पुत्र जयराज सिंह –मृतक 6/1– अमरनाथ सिंह उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र टेढ़ू सिंह 7– गया प्रसाद उम्र लगभग 70 साल पुत्र धर्मराज सिंह –मृतक 7/1– रामबक्स सिंह उम्र लगभग 69 वर्ष पुत्र गया प्रसाद 7/2– विछर उर्फ छत्तन देवी उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व० रामकवल सिंह 7/3– विजय प्रकाश सिंह उम्र नामालूम पुत्र राम अवतार सिंह 8– पारस सिंह उम्र लगभग 57 साल पुत्र रामवरन सिंह – मृतक 8/1– महेन्द्र उम्र लगभग 63 साल 8/2– योगेन्द्र उम्र लगभग 68 साल पुत्रगण पारस सिंह 9– महात्मा सिंह उम्र लगभग 55 साल पुत्र रामवरन सिंह– मृतक 9/1– जसपाल सिंह उम्र 9/2– धर्मपाल सिंह उम्र 9/3– सतपाल सिंह उम्र 9/4– चन्द्रपाल सिंह उम्र नामालूम पुत्रगण स्व० महात्मा सिंह 10– रामदवन सिंह उम्र लगभग 35 साल पुत्र दुबरी सिंह 11– रामसेवक सिंह उम्र लगभग 26 साल पुत्र दुबरी सिंह –मृतक 11/1– विनय उम्र लगभग 20 वर्ष 11/2– भोलू उम्र लगभग 26 वर्ष 11/3– सन्नी सिंह उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्रगण रामसेवक 12– रामगोपाल सिंह उम्र लगभग 22 साल पुत्र दुबरी सिंह 13– मु० मुनरा देवी उम्र लगभग 50 साल पत्नी केशव सिंह – मृतक 14– अमरजी सिंह उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र प्रमात्मा सिंह 15 समरजीत सिंह उम्र लगभग वर्ष पुत्र प्रमात्मा सिंह –मृतक 15/1–श्रीमती शीला सिंह उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी समरजीत सिंह 15/2– सोनू उम्र लगभग 28 वर्ष 15/3– मोनू उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्रगण समरजीत सिंह 16– इन्द्रजीत सिंह उम्र लगभग 38 साल पुत्र प्रमात्मा सिंह 16/1– अनिल उम्र लगभग 36 साल 16/2– सुनील उम्र लगभग 34 साल 16/3– सुशील उम्र लगभग 29 साल पुत्रगण इन्द्रजीत सिंह 17– रणजीत सिंह उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र प्रमात्मा सिंह साकिनान मौजा– डिगरापुर मुस्तहकम, तप्पा– ऊँजी, परगना–नगर पश्चिम, तहसील– हरैया, जिला–बस्ती 18– सुक्खू उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्र पलझन 19– अनिल उम्र लगभग 30 वर्ष 20– सुनील उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्रगण जियालाल 21– महेन्द्र उम्र लगभग 25 वर्ष 22– शैलेन्द्र उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्रगण सच्चाराम साकिनान मौजा– डिगरापुर मुस्तहकम, तप्पा ऊँजी, परगना– नगर पश्चिम, तहसील– हरैया, जिला–बस्ती

–विपक्षीगण

तारीख पेशी 04–12–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 04 माह 12 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com